

**ROMANS:**  
a letter from a life "ruined" by Jesus

---

---

---

---

---

---

---

---



We are **RUINED** when  
our lives are **DISRUPTED**  
our passions are **REDIRECTED**  
our egos are **DEFEATED**  
our minds are **DISCIPLINED**  
our strengths & talents are **DEVOTED**

---

---

---

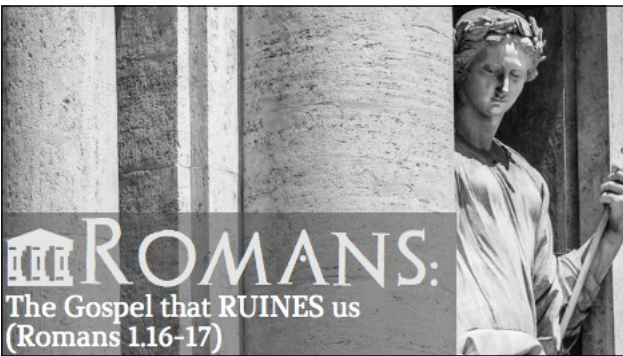
---

---

---

---

---



**ROMANS:**  
The Gospel that **RUINES** us  
(Romans 1.16-17)

---

---

---

---

---

---

---

---



The Gospel (Good News) that **RUINS** us  
**IS PSYCHOLOGICAL**  
"I am not ashamed of the Gospel"

---

---

---

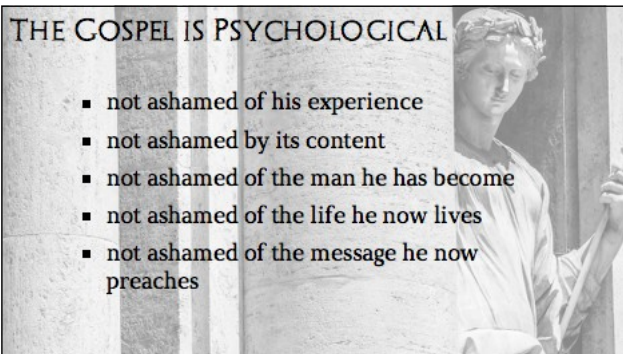
---

---

---

---

---



**THE GOSPEL IS PSYCHOLOGICAL**

- not ashamed of his experience
- not ashamed by its content
- not ashamed of the man he has become
- not ashamed of the life he now lives
- not ashamed of the message he now preaches

---

---

---

---

---

---

---

---